आदर्श तलवार

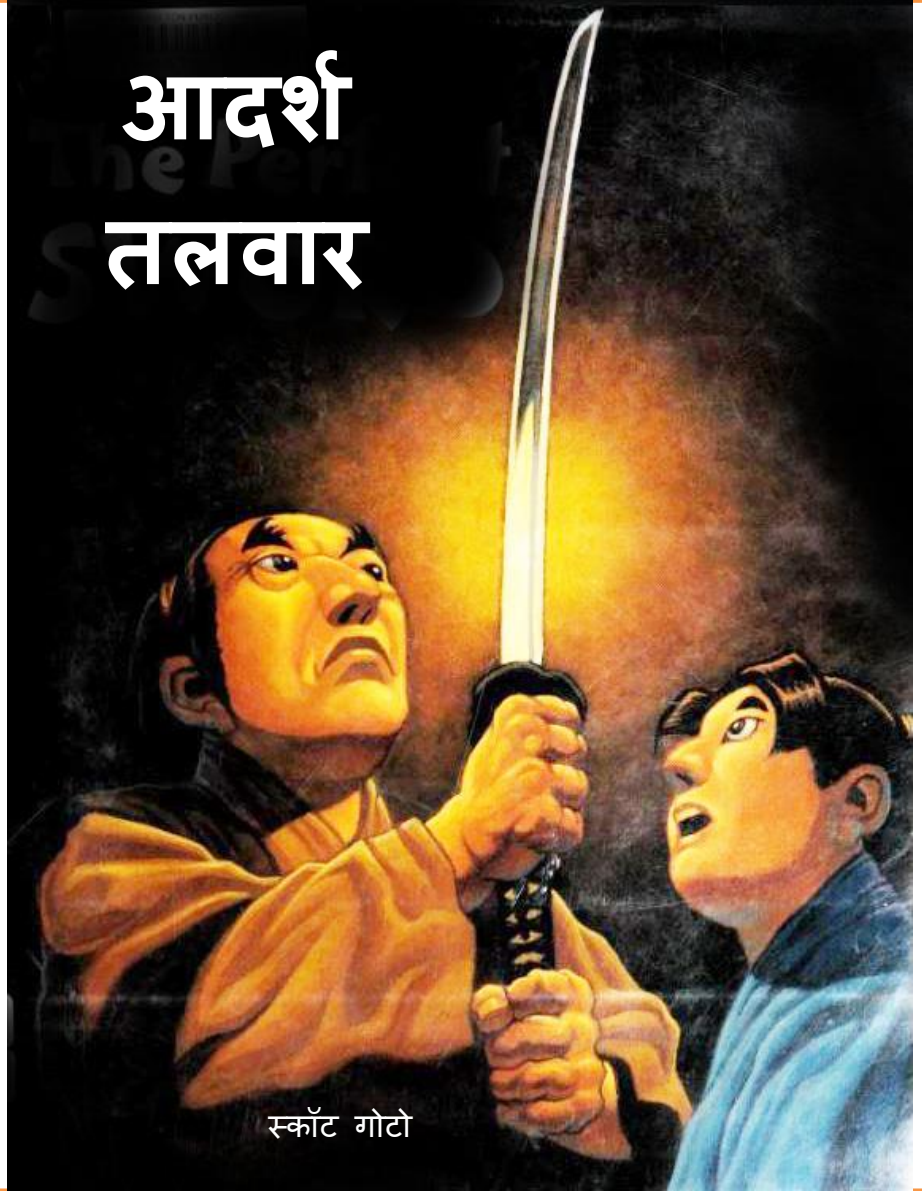

स्कॉट गोटो

मिचियो नाम का लड़का सेन्सेई मासा, एक मास्टर तलवारबाज का जमूरा है. वे एक शानदार समुराई तलवार को गढ़ने और आकार देने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं. हर कोई उस तलवार को खरीदना चाहता है और उसका मालिक बनने को उत्सुक है, लेकिन सेन्सेई को पता है कि वो तलवार हर किसी के लिए नहीं है. जैसे ही प्रत्येक उम्मीदवार दावा करने के लिए आता है, मिचियो खुद से पूछता है. "उस तलवार के लिए कौन सबसे योग्य है?"

आदर्श तलवार

स्कॉट गोटो

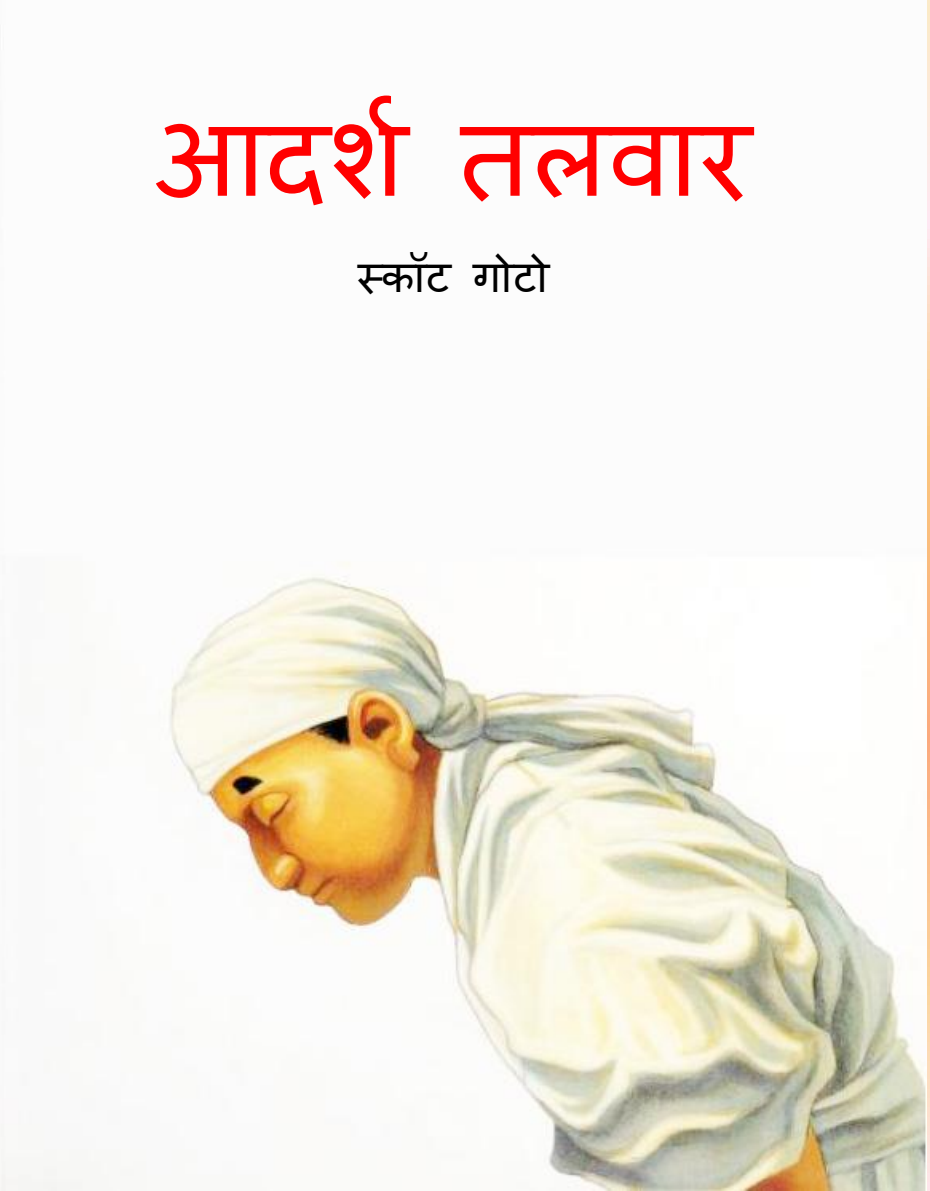

सेन्सेई मासा एक मास्टर तलवार बनाने वाला था जो पूरे जापान में मशहूर था. उनकी तलवारों को अब तक की सबसे बेहतरीन तलवारों में से एक माना जाता था. सेन्सेई और उनके जमूरे, मिचियो ने अपनी तलवार बनाने में अनगिनत दिन और घंटे बिताए. उन्होंने ब्लेड को आकार देने के लिए धातु को बार-बार गर्म किया और हथौड़े से पीटा. फिर उन्होंने पॉलिश किया और उसे एक रेजर ब्लेड की किनार की तरह तेज धार दी. सेन्सेई और मिचियो ने बहुत सावधानी बरती और अथक प्रयास किया और हर पहलू पर गौर से ध्यान दिया.

एक बार तलवार पूरी हो जाने के बाद, मास्टर और जमूरे, दोनों ने दोषों के लिए तलवार का निरीक्षण किया.

"शानदार!" मिचियो ने कहा, जब उसने और सेन्सेई ने अपनी नवीनतम रचना का अध्ययन किया. "यह एकदम आदर्श है."

"नहीं," सेन्सेई ने उत्तर दिया, उसकी आँखें अभी भी ब्लेड पर थीं. "कुछ भी वास्तव में आदर्श नहीं होता. उसमें हमेशा कुछ न कुछ सुधार किया जा सकता है. याद रखना कि तुम जो कुछ भी करो उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना और आगे बढ़ते रहना और लगातार सीखते रहना."

"हाँ, सेन्सेई," मिचियो ने अदब से झुकते हुए उत्तर दिया.

"हालांकि," सेन्सेई ने कहा. "हाँ, तुम यह ज़रूर कह सकते हो, कि यह मेरा सर्वश्रेष्ठ काम है."

सेन्सेई, मिचियो की ओर मुड़ा और उसने पलकें झपकाईं. फिर दोनों खिलखिलाकर हँस पड़े.

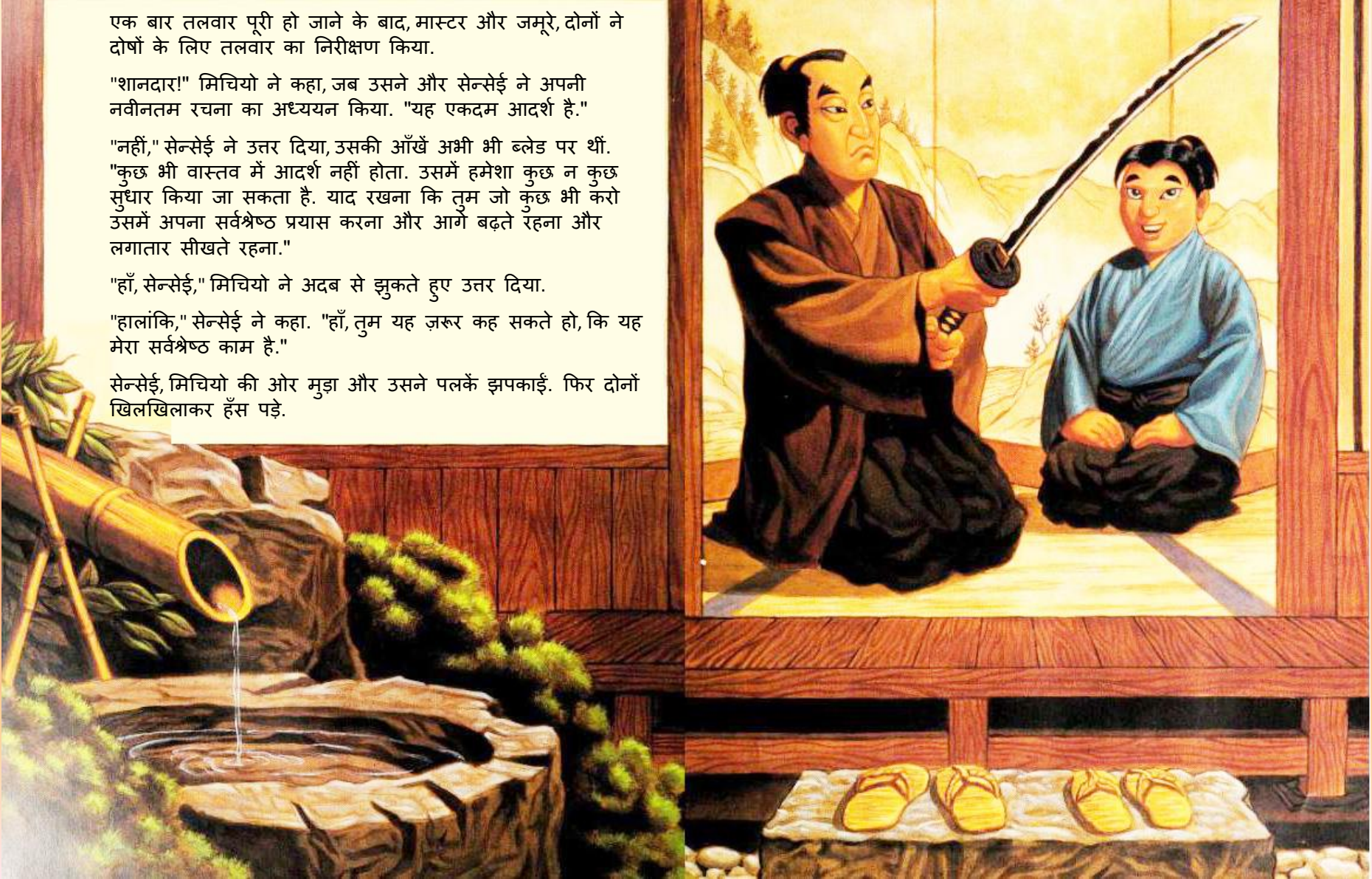

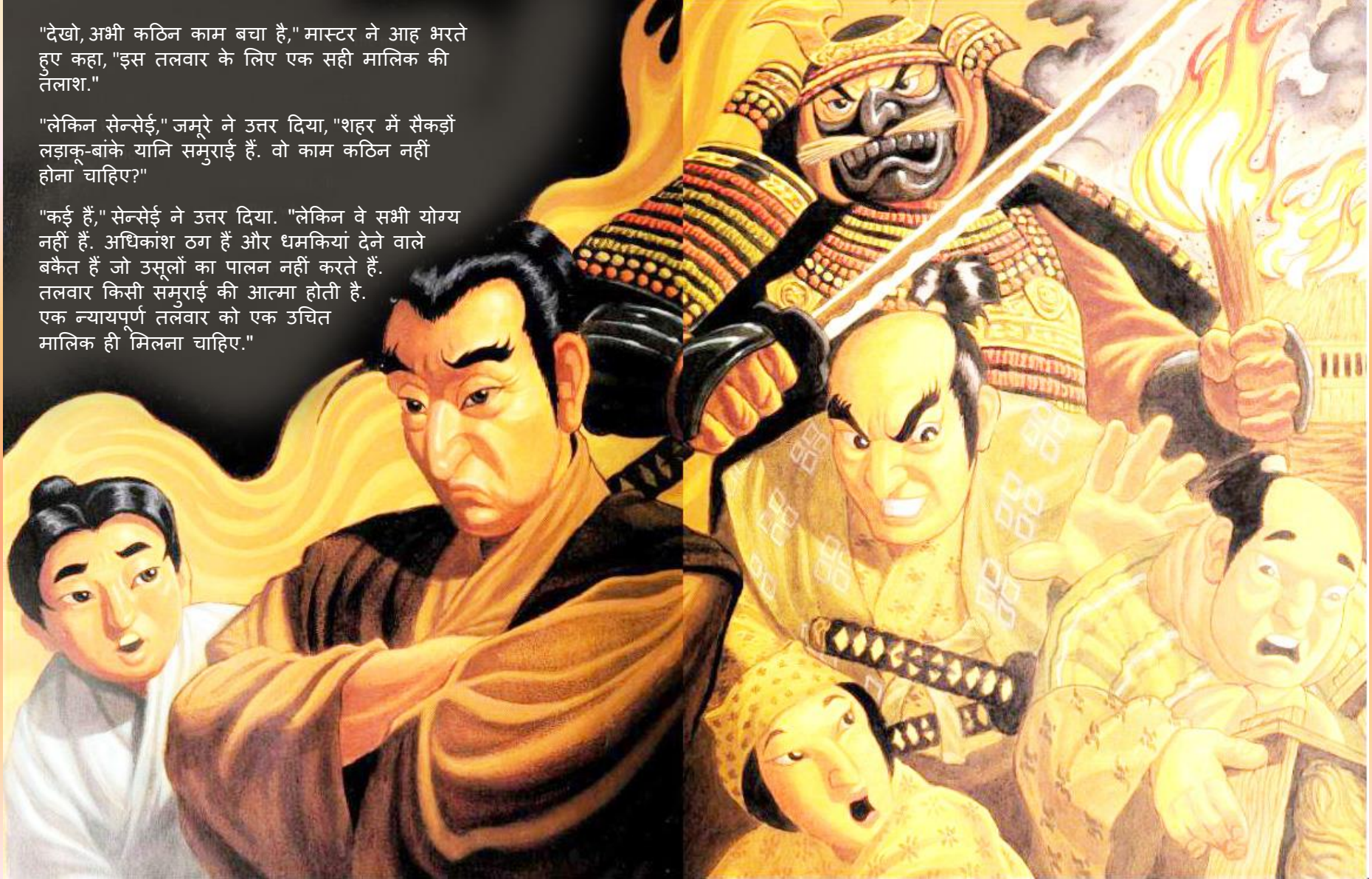
"देखो, अभी कठिन काम बचा है," मास्टर ने आह भरते हुए कहा, "इस तलवार के लिए एक सही मालिक की तलाश."
"लेकिन सेन्सेई," जमूरे ने उत्तर दिया, "शहर में सैकड़ों लड़ाकू-बांके यानि समुराई हैं. वो काम कठिन नहीं होना चाहिए?"
"कई हैं," सेन्सेई ने उत्तर दिया. "लेकिन वे सभी योग्य नहीं हैं. अधिकांश ठग हैं और धमकियां देने वाले बकैत हैं जो उसूलों का पालन नहीं करते हैं. तलवार किसी समुराई की आत्मा होती है. एक न्यायपूर्ण तलवार को एक उचित मालिक ही मिलना चाहिए."

नई तलवार की खबर तेजी से फैली. जल्द ही एक समुराई उसे खरीदने आया. एक सुबह जब मिचियो प्रवेश द्वार की सफाई कर रहा था तब अचानक वो अपने पैरों पर से उठ गया. एक विशालकाय आदमी ने मिचियो को केवल एक हाथ से हवा में ऊंचा उठा दिया.

"अपने मालिक से कहो," आगंतुक ने छोटे जमूरे को हिलाते हुए कहा, "कि महान कात्सुओ यहाँ तलवार खरीदने आया है." फिर उसने मिचियो को वापस उसके पैरों पर खड़ा कर दिया.

क्रूर दिखने वाले आदमी को घूरते हुए, मिचियो एकदम चौंक गया. फिर "हाँ, सर" कहने के साथ वो नीचे झुका.

"वो कितना बलवान और आत्मविश्वासी है!" मिचियो ने सोचा. फिर वो सेन्सेई को खोजने के लिए अंदर दौड़ा. ऐसा ही कोई महान योद्धा हमारी तलवार के योग्य होगा, उसने सोचा.

"मैंने सैकड़ों आदमियों को आसानी से हराया है!" सेन्सेई के साथ बैठते ही कात्सुओ ने दहाड़ते हुए कहा, "मैंने अनगिनत गांवों पर कब्जा किया है. गांव वाले मुझे देखते ही डर से भाग जाते हैं! मैं ही केवल शक्तिशाली हूँ और आपकी उत्तम तलवार के लायक हूं."

"तब क्या होगा," सेन्सेई ने पूछा. "अगर गांव वाले आपके लिए काम करने से इंकार कर दें?"

"हा-हा!" कत्सुओ गुस्से में चिल्लाया. "तब मैं उनके घरों को जला दूंगा, और मुझ से सवाल पूछने के लिए मैं उनका सब कुछ नष्ट कर दूंगा."

"मुझे क्षमा करें," सेन्सेई ने शांति से उत्तर दिया, "लेकिन आप इस तलवार के लिए बहुत क्रूर और अभिमानी हैं. आपका यहाँ आने के लिए धन्यवाद."

कत्सुओ गुस्से में था. वो उस्ताद और जमूरे को शाप देता हुआ, अपने पैर पटकता हुआ, तलवार बनाने वाले के घर से बाहर निकल गया.

पहले तो मिचियो, सेन्सेई के फैसले से हैरान हुआ. हालाँकि, कुछ देर विचार करने के बाद उसने महसूस किया कि विनम्रता से पैदा की गई तलवार उसी व्यक्ति के पास जानी चाहिए जो वास्तव में विनम्र हो.

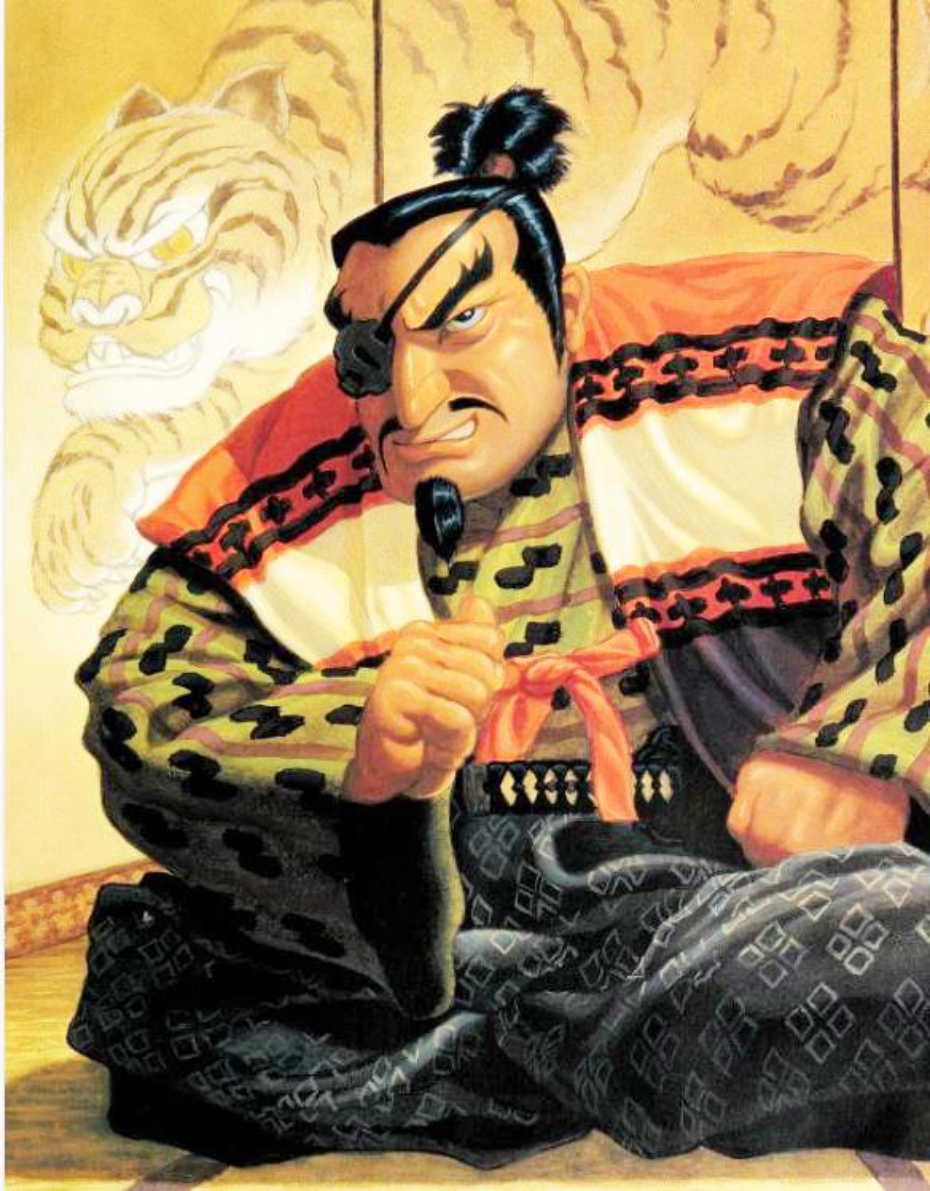

अगली सुबह मिचियो दरवाजों की सफाई कर रहा था कि तभी चार आदमी एक पालकी को लेकर उसके सामने आकर रुके. पालकी कई नौकरों और पहरेदारों से घिरे हुई थी. फिर पार्टी का हर सदस्य सम्मान से नीचे झुका. उसके बाद एक कीमती कपड़े पहने हुए आदमी कुर्सी से उठा.

"अपने मालिक से जाकर कहो," नौकरों में से एक चिल्लाया, "कि महान टोडा यहाँ पर प्रसिद्ध तलवार खरीदने के लिए आये हैं."

मिचियो ने महान टोडा की ओर देखा, जिन्होंने एक बार भी अपना मुंह मोड़कर उसकी ओर नहीं देखा. फिर मिचियो ने नौकर को प्रणाम किया और अंदर चला गया.

"कितनी सत्ता है! इतने सारे लोग उसकी सेवा कर रहे हैं," मिचियो ने सोचा. ऐसा कद्दावर व्यक्ति हमारी तलवार का ज़रूर योग्य होगा.

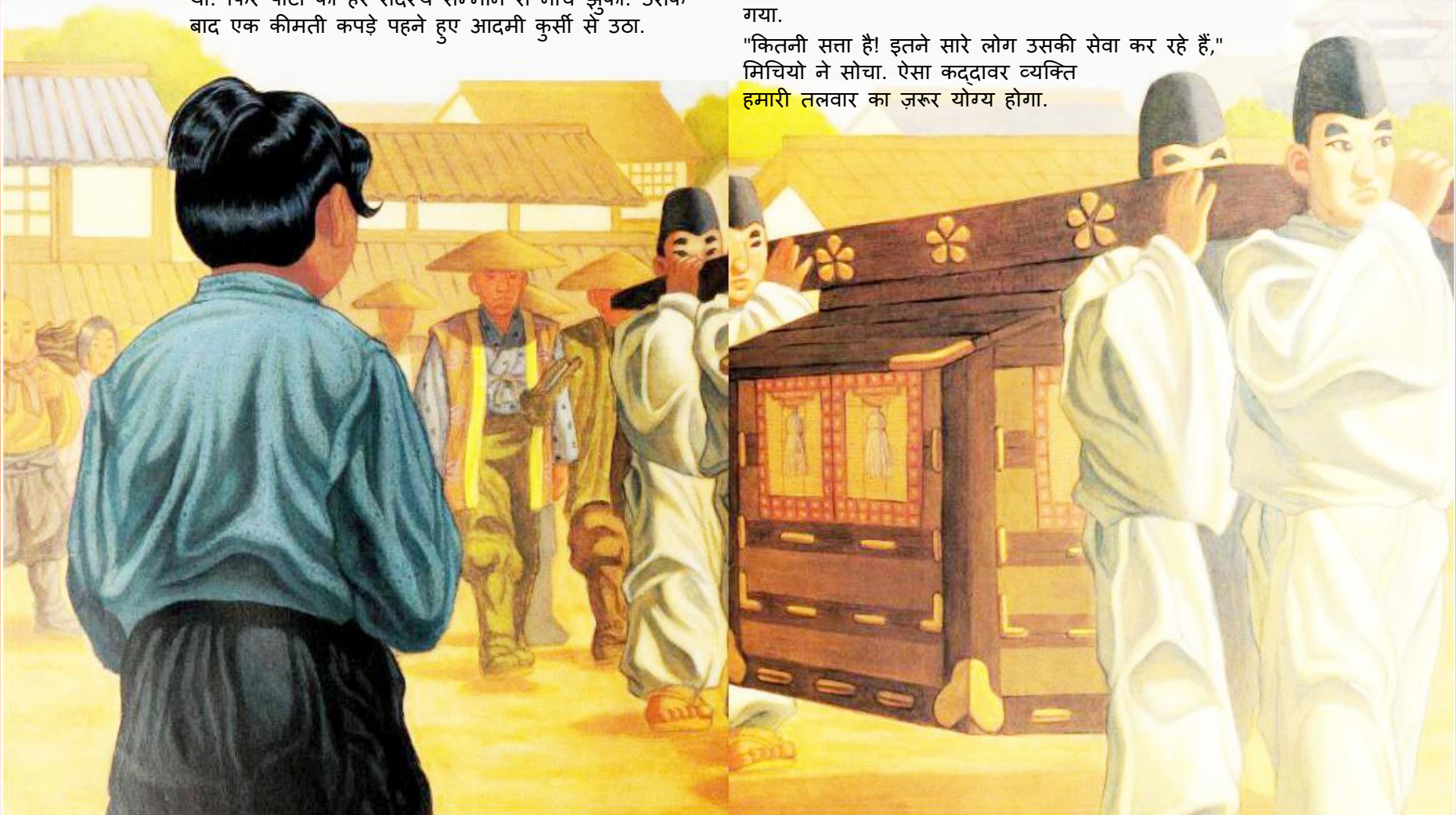

"मेरे पास बहुत अधिक राजनीतिक शक्ति और प्रभाव है," महान टोडा ने सेन्सेई को समझाया. "मेरे पास सैकड़ों नौकर और योद्धा हैं जो मेरी हर आज्ञा का पालन करते हैं. मेरे जैसा महान व्यक्ति ही इस तरह की एक आदर्श तलवार के लायक है."

"अच्छा, आपने कितनी लड़ाइयाँ लड़ी हैं?" सेन्सेई ने पूछा.

"मैं, युद्ध में लड़ाई? कभी नहीं," महान टोडा ने उत्तर दिया. "मैं इस काम को अपने सैनिकों पर छोड़ता हूं. यह मेरे महान पैदा होने का सौभाग्य है."

"मुझे क्षमा करें," सेन्सेई ने उत्तर दिया. "आपने अपने लिए कुछ भी नहीं कमाया है. यह तलवार आपके लिए नहीं है. आपका यहाँ आने के लिए धन्यवाद."

अपमानित और घबराया हुआ महान टोडा जल्दी से तलवार चलाने बनाने वाले के घर से चला गया. फिर से, मिचियो हैरान था. लेकिन बहुत सोचने के बाद उसने महसूस किया कि कड़ी मेहनत करने वाला व्यक्ति ही, कड़ी मेहनत से बनाई गई तलवार का हकदार होना चाहिए.

अगले दिन जब मिचियो प्रवेश के फर्श को पॉलिश कर रहा था तब एक नन्ही घरेलू मक्खी उसे लगातार परेशान कर रही थी. मक्खी, लगातार मिचियो के सर पर मंडरा रही थी. तभी एक आगंतुक बाहर से आया जिसने मिचियो को चौंका दिया. उस अजनबी का चेहरा पत्थर की तरह ठंडा था, और फिर भी उसकी आंखें गर्म अंगारों की तरह सुलग रही थीं.

"क्षमा करें," वो आदमी फुसफुसाया. "मेरा नाम केंशिन है. मैं एक लड़ाकू हूं, मैं तुम्हारे मालिक से उनकी नई तलवार खरीदना चाहता हूं."

'हाँ, सर," मिचियो ने उस मक्खी को झपटने की कोशिश करते हुए कहा जो उसे परेशान करती रही थी. फिर एक झटके में केंशिन ने अपनी तलवार खींची, और एक वार से उसने मक्खी को आधे में काट दिया. फिर उसने अपनी तलवार को वापस म्यान में रख दिया. मिचियो उस बहादुर लड़ाकू को विस्मय से घूरता ही रह गया. फिर वो झुका और अपने मालिक को खोजने गया.

निश्चित रूप से सेन्सेई को यह लड़ाकू पसंद आएगा, मिचियो ने सोचा. इतना शांत और बहादुर - उसे वो एकदम सही उम्मीदवार लगा.

"मैंने अपना जीवन केंजुत्सु को समर्पित कर दिया है," लड़ाकू ने सेन्सेई से कहा. "मेरे लिए जो कुछ भी मायने रखता है वह है युगल-युद्ध जीतना और अपने कौशल को परिपूर्ण करना. केवल मेरे जैसे समर्पित योद्धा के पास ही ऐसी सिद्ध तलवार होनी चाहिए."

"और आपको क्या लगता है कि शोगुन और लॉर्ड्स, आम लोगों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं?" सेन्सेई ने पूछा.

"मुझे राजनीति या ऐसे तुच्छ मामलों में कोई दिलचस्पी नहीं है," केंशिन ने कहा "मुझे केवल जापान में सबसे अच्छा तलवारबाज बनने की परवाह है."

"मुझे क्षमा करें," सेन्सेई ने उत्तर दिया. "आप समर्पित हैं, लेकिन आप स्वार्थी भी हैं. यह तलवार आपके लिए नहीं है. आपका आने के लिए धन्यवाद."

फिर केंशिन ने अपना सिर फर्श की ओर झुकाया और चुपचाप चला गया. एक बार फिर मिचियो हैरान रह गया. तब उसने महसूस किया कि देखभाल और चिंता से पैदा हुई तलवार उसी के पास जानी चाहिए जो दूसरों की भी परवाह करता हो, और न कि केवल अपनी.

दिन बीतते गए और कई अन्य आगंतुक आए, लेकिन कोई भी सही नहीं था. वे सभी या तो बहुत क्रूर और विशेषाधिकार प्राप्त थे, या बहुत स्वार्थी थे.

इन लोगों से मिलते-जुलते थककर, सेन्सेई और मिचियो ने बाज़ार जाने के लिए एक दिन की छुट्टी ली. मीठी कैंडी को कुतरते हुए, वे दुकानदारों के पास से गुज़र रहे थे जो मछली और सब्जियों से लेकर व्यंजन और खिलौनों तक सब कुछ बेच रहे थे.

उस्ताद और शागिर्द दोनों ही भीड़ के उत्साह का आनंद ले रहे थे, तभी एक बड़ा आदमी आनन-फानन में उनके पीछे से निकलकर भागा.

"पकड़ो, चोर," एक दुकानदार चिल्लाया

इससे पहले कि सेन्सेई और मिचियो कुछ कर पाते, एक युवक ने चोर का रास्ता रोक दिया. वो युवक चोर से बहुत छोटा था, लेकिन उसका शरीर ताकतवर लग रहा था और उसके पास दो तलवारें थीं, एक लंबी और एक छोटी जो उसकी बेल्ट में फंसी हुई थी.

"कृपया तुरंत पैसे वापस करो," युवा समुराई ने उस चोर से कहा.

"मेरे रास्ते से हटो और यहाँ से भागो!" चोर चिल्लाया. फिर उसने एक बड़ा चाकू निकाला और समुराई पर वार किया.

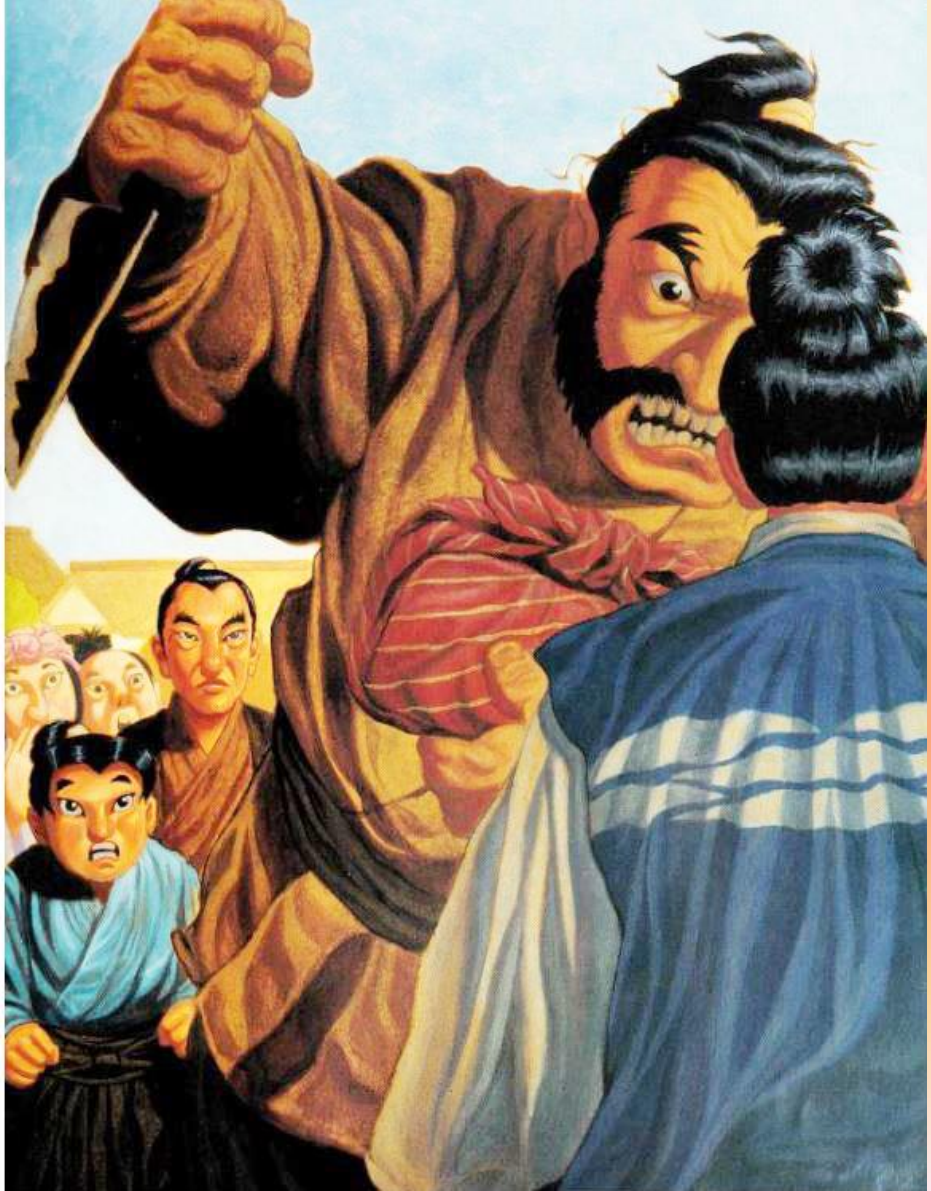

युवा योद्धा ने जल्दी से चोर को निहत्था करके उसे बेहोश कर दिया.
उसने अपने हाथ से एक बार भी अपनी दोनों तलवारों को नहीं छुआ.
मिचियो चकित था. सेन्सेई ने अनुमोदन में अपना सिर हिलाया.
"आपकी मदद के लिए धन्यवाद," दुकानदार ने समुराई से कहा "कृपया, इन सिक्कों को इनाम के रूप में रखें."
समुराई ने उत्तर दिया, "सही काम करने के लिए किसी को पुरस्कृत नहीं किया जाना चाहिए. आपका धन्यवाद, परन्तु मैं यह पैसे नहीं ले सकता हूँ."
जैसे ही युवा समुराई चला गया, सेन्सेई ने मिचियो की ओर रुख किया और कहा, "जाओ और उस युवा को हमारे घर में आमंत्रित करो. उसे बताओ कि हम कौन हैं, लेकिन उसे यह मत बताना कि हम उससे क्यों मिलना चाहते हैं."
मिचियो ने सिर हिलाया और मेहमान को बुलाने चला गया.
सेन्सेई तैयारी के लिए घर की ओर गया.

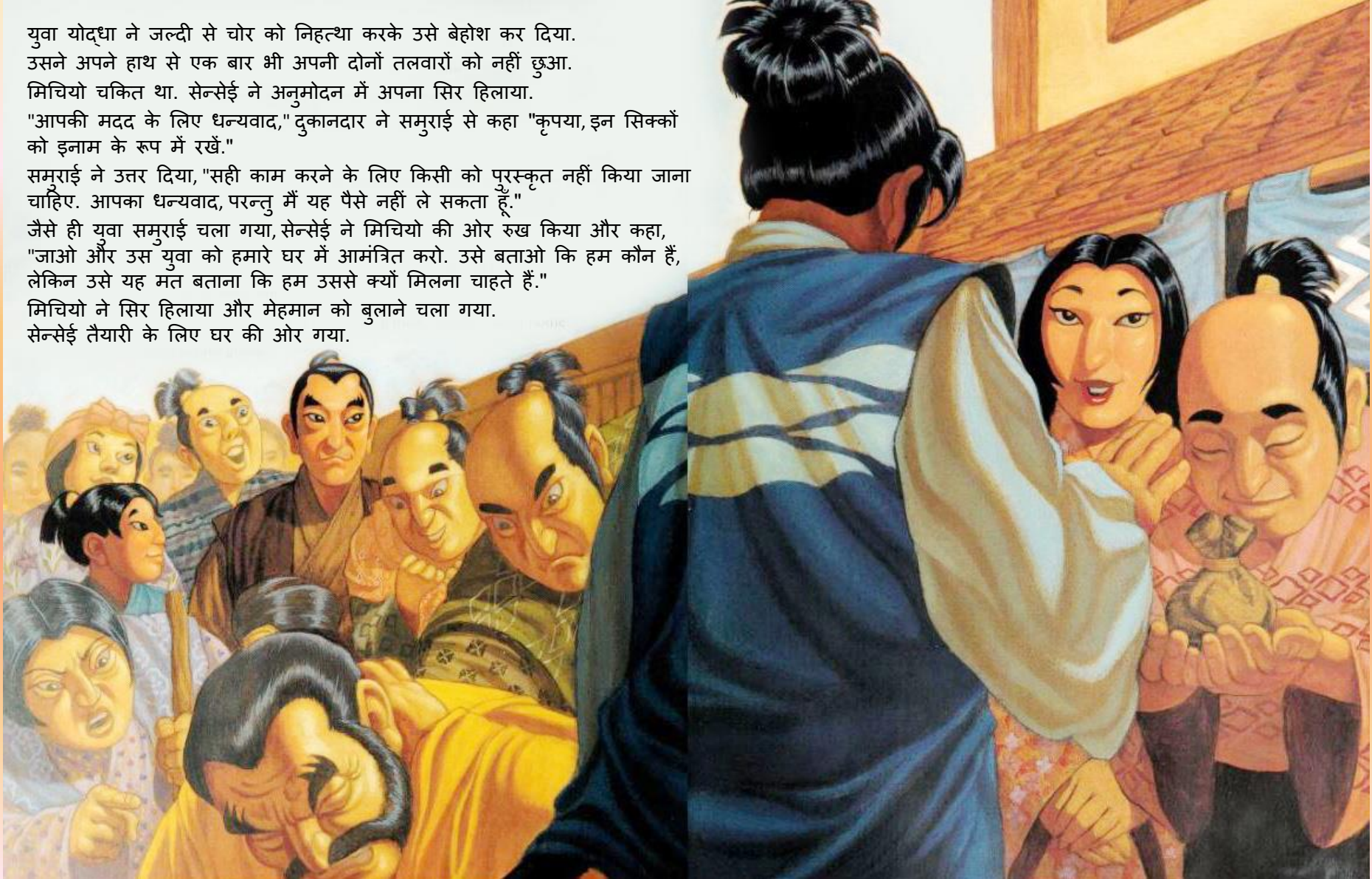

थोड़ी देर बाद जब समुराई अपने घर में सेन्सेई के साथ बैठा, तब मिचियो ने गर्म चाय उडेली.

"मेरा नाम ताकेशी है," युवक ने झुकते हुए कहा. "मैं एक निम्न-श्रेणी का समुराई हूं. आपके यहां आना एक सम्मान की बात है, सेन्सेई मासा. आपके काम का पूरे जापान में सम्मान है."

"नहीं, मैं तुमसे मिलकर खुद को सम्मानित महसूस कर रहा हूं," सेन्सेई ने झुकते हुए उत्तर दिया. "लेकिन मुझे बताओ कि तुमने आज उस चोर से लड़ते हुए अपनी तलवार क्यों नहीं खींची?"

"मुझे वो करने की ज़रुरत ही नहीं पड़ी," ताकेशी ने उत्तर दिया. "किसी को बेवजह चोट पहुंचाना ताकत नहीं कमजोरी होती है. मैं आज अपनी तलवार खींचकर उसका अनादर करता, और तलवार का अनादर करना आत्मा का अनादर करना होता."

मिचियो चुपचाप बगल में बैठ गया, और मुस्कुराते हुए युवा समुराई की बातें सुनता रहा.

"तुम स्पष्ट रूप से बहुत कुशल हो," सेन्सेई ने कहा.

"मैं अभी भी पूरी तरह से कुशल नहीं हूँ," ताकेशी ने उत्तर दिया. "युद्ध की कला सीखना कभी खत्म नहीं होती है और इसके लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है, इस लिए मैं प्रतिदिन प्रशिक्षण लेता हूं और अभ्यास करता हूँ."

"तुमने आज उस दुकानदार की मदद क्यों की? निश्चय ही तुम उस दुकानदार को पहले से नहीं जानते थे?" सेन्सेई ने पूछा.

ताकेशी ने कहा, "मेरे पास मदद करने की शक्ति थी. और जब किसी के पास शक्ति हो, तो उसे दूसरों की मदद ज़रूर करनी चाहिए."

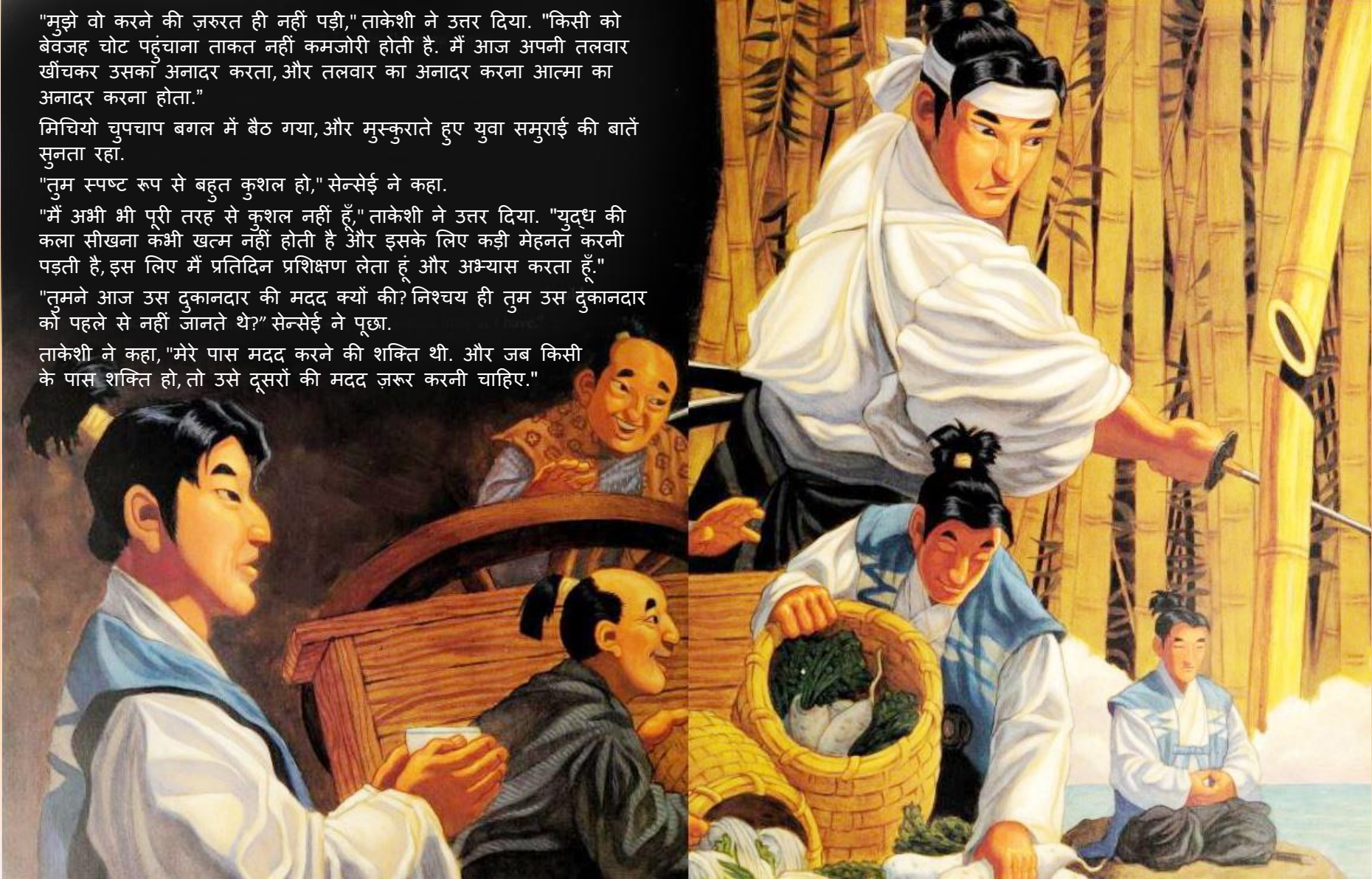

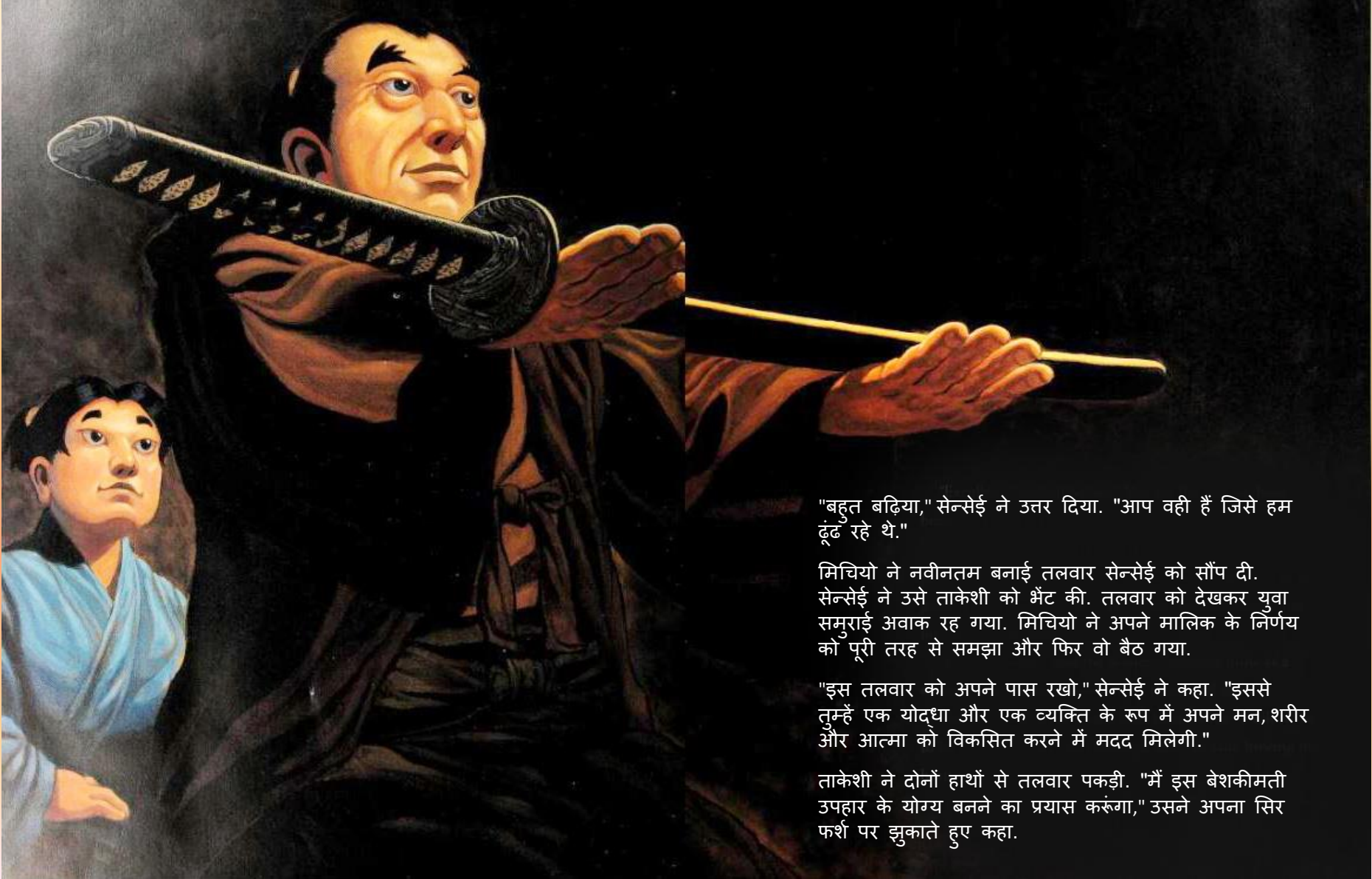

"बहुत बढ़िया," सेन्सेई ने उत्तर दिया. "आप वही हैं जिसे हम ढूंढ रहे थे."

मिचियो ने नवीनतम बनाई तलवार सेन्सेई को सौंप दी. सेन्सेई ने उसे ताकेशी को भेंट की. तलवार को देखकर युवा समुराई अवाक रह गया. मिचियो ने अपने मालिक के निर्णय को पूरी तरह से समझा और फिर वो बैठ गया.

"इस तलवार को अपने पास रखो," सेन्सेई ने कहा. "इससे तुम्हें एक योद्धा और एक व्यक्ति के रूप में अपने मन, शरीर और आत्मा को विकसित करने में मदद मिलेगी."

ताकेशी ने दोनों हाथों से तलवार पकड़ी. "मैं इस बेशकीमती उपहार के योग्य बनने का प्रयास करूंगा," उसने अपना सिर फर्श पर झुकाते हुए कहा.

सेन्सेई और मिचियो ने ताकेशी को विदाई दी और उसे जाते हुए देखा.

"आओ मिचियो," सेन्सेई ने कहा.

"क्या अब अगली तलवार पर काम करना शुरू करने का समय आ गया है?" जमूरे ने पूछा.

सेन्सेई ने धीरे से मुस्कुराते हुए अपने प्रशिक्षु की ओर रुख किया. वो वापस मुस्कुराया और स्वीकृति में उसने अपना सिर हिलाया. दोनों झुके और लोहे की भट्टी की ओर चल दिए.

प्राचीन जापान में तलवार बनाना

दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर आधुनिक समय तक जापानी संस्कृति में तलवार बनाने का एक लंबा और विविध इतिहास रहा है. मैंने इस कहानी को 1500 के दशक के अंत में तोकुगावा शोगुनेट की शुरुआत में सेट किया है. शोगुन ने 650 से अधिक वर्षों तक जापान पर शासन किया. उनकी इच्छा को समुराई, या योद्धा वर्ग द्वारा लागू करता था.

समुराई तलवार बनाना एक पवित्र कला थी. तलवार को समुराई की आत्मा माना जाता था और वो उसके सम्मान और चरित्र का प्रतिनिधित्व करती थी. कोई जापानी तलवार निर्माता, समुराई की तलवार बनाने से पहले अपने मन और आत्मा को शुद्ध करने के लिए अक्सर ध्यान, उपवास या प्रार्थना करता था.

केवल समुराई को तलवारों की एक जोड़ी, यानि दो तलवारे लेकर चलने की अनुमति थी, उनमें एक लंबी और एक छोटी होती थी.

यद्यपि वे इस कहानी में वो बात स्पष्ट नहीं होती पर जापानी तलवार बनाने में कई अलग-अलग शिल्पकार शामिल होते थे. स्वॉर्डस्मिथ, मुख्य बॉडी बनाता था, पॉलिशर्स, ब्लेड को तेज करते थे, लकड़ी के कुशल बढ़ई म्यान बनाते थे, और अन्य कारीगरों तलवार के गार्ड आदि का निर्माण करते थे.

जापान में गुरु / चेले या उस्ताद / जमूरे के बीच संबंध, पश्चिमी मॉडल से बहुत अलग होते हैं. चेला / जमूरा अपने गुरु से लगभग कभी कोई प्रश्न नहीं पूछता है. प्रशिक्षु आमतौर पर पीछे खड़ा होकर गुरु को सिर्फ देखता है. यही कारण है कि मिचियो को अपने खुद के निष्कर्ष निकालने के लिए छोड़ दिया गया था कि तलवारबाज को सेन्सेई की मंजूरी क्यों नहीं मिल रही थी. इस कहानी में मैं उन पारंपरिक भूमिकाओं पर खरा उतरना चाहता था जो प्राचीन जापान में प्रशिक्षु और गुरु निभाते थे.